MAKE IAS
Make Advanced Knowledge Easy

UPPCS 2023 MEP-2 | TEST-1

Name of Student: Madhav Upadhyay

Date: 29/05/23

Test Center:

Mukherjee Nagar	
Old Rajendra Nagar	
Prayagraj	✓
Lucknow	
Online	

Medium:

English	
हिन्दी	✓

Time:

Test Received:

Test Submit :

Q. No.	Marks	Remarks
Q 1st	3	- आपकी विषयवस्तु की समझ बेहतर है।
Q 2nd	3.5	→ उत्तर प्रस्तुति का ढंग अच्छा है।
Q 3rd	3	→ निरन्तर उत्तर लेखन का अभ्यास करते रहें।
Q 4th	4.5	
Q 5th	5	
Q 6th	5.5	
Q 7th	6	
Evaluator Sign		

MakeIAS Test Series Centers

Nehru Vihar:
GF- 20 A-B, Ground Floor, Vardhman Plaza
9899282107

Karol Bagh:
113 No - 1st Floor, Apsara Arcade, Karol Bagh Metro Gate No. 78700476287

Prayagraj:
In Front of A N JHA Hostel, Science Faculty
9716521918

Lucknow:
3rd Floor, B 1/66, Sector J, Aliganj, Lucknow
9899282107

MAKE IAS

Q1. प्राचीन भारतीय इतिहास के पुनर्निर्माण के स्रोतों की सउदाहरण चर्चा कीजिए। [125 शब्द]

Discuss with examples the sources of reconstruction of ancient Indian history. [125 words]

भारत का समृद्ध इतिहास रहा है। जिसका पुनर्निर्माण करने के लिए विभिन्न स्रोतों की आवश्यकता पड़ती है। जैसे-

(i) पुरातात्विक स्रोत

(ii) साहित्यिक स्रोत

पुरातात्विक स्रोत

- शिलालेख (स्तंभलेख)
- स्तंभलेख मूर्तियां
- मुद्राएं
- मुहालेख भवन एवं स्मारक
- चित्रकला

शिलालेख / स्तंभलेख :- (i) अशोक के 14 दीर्घ शिलालेख के अतिरिक्त बहुत से लघु स्तंभलेख मिले हैं।
जैसे- गिरनार का शिलालेख
कम्मनिदेई अभिलेख

(ii) खारवेल का हाथी गुम्फा अभिलेख

(iii) एरण अभिलेख, मंदसौर अभिलेख इत्यादि

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

MAKE IAS

मूर्तियाँ :- मोहनजोदड़ो से प्राप्त नर्तकी की मूर्ति, मथुरा, गांधार शैली में बौद्ध बुद्ध की मूर्ति इत्यादि।

मुद्राएँ - सल्तनत सल्तनत कालीन टका एवं जीतल, शंकर, पार्वती मुद्रित मुद्राएं, इत्यादि।

भवन एवं स्मारक :- लाल किला, ताजमहल, दक्षिण भारतीय मंदिर, हड़प्पाकालीन स्नानागार।

चित्रकला :- मुगलकालीन राजसी चित्र, पाषाणकालीन शिला चित्रकारी

अच्छा प्रयास है।

साहित्यिक स्रोत

→ धार्मिक साहित्य
- वेद, उपनिषद, सुत्त पिटक
- आरण्यक, ब्राह्मण विनय पिटक
- रामायण, महाभारत इत्यादि।

लौकिक साहित्य
- देशी साहित्य
- विदेशी
  - ह्वेनसांग - सि-यु-की
  - फाह्यान - फो-कु-की
  - इंडिका
  - रिहला / रेहला

→ देशी साहित्य :-
कल्हण भट्ट राजतरंगिणी, मृच्छकटिकम्, मालविकाग्निमित्रम् इत्यादि।

उपर्युक्त उदाहरणों से स्पष्ट है कि भारत की समृद्ध ऐतिहासिक परंपरा रही है। हृदय योजना, प्रासाद योजना के माध्यम से संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

3

MAKE IAS
Make Advanced Knowledge Easy

Q2. हिमालय क्षेत्र और प्रायद्वीपीय भारत के संदर्भ में भारत की भौगोलिक विशेषताओं के भारत के इतिहास पर पड़े प्रभावों का आकलन कीजिए। साथ ही मानव के सांस्कृतिक विकास का वर्णन कीजिए। (125 शब्द)

Assess the impact of the geographical features of India on the history of India with reference to the Himalayan region and peninsular India. Also, describe the cultural development of human beings. (125 words)

किसी भी स्थान के इतिहास पर उसकी भौगोलिक स्थिति का प्रभाव होता है। भारत भी इससे अछूता नहीं है।

हिमालय क्षेत्र का प्रभाव ->

साथ-साथ

(i) हिमालय उत्तर से आने वाले आक्रांताओं से सुरक्षा के साथ-2, ठण्डी हवाओं से भारत की सुरक्षा करता है।

(ii) हिमालयी नदियाँ खाद्यान्न उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है। इसीलिए हड़प्पा सभ्यता का सर्वाधिक विकास हुआ।

(iii) हिमालयी दर्रे व्यापारिक मार्ग उपलब्ध कराते है।

(iv) उत्तर भारत की समृद्धता की के कारण पानीपत पश्चिम एशियाई आक्रांता आए और पानीपत की लड़ाइयाँ हुई।

सुन्दर बिंदु है

प्रायद्वीपीय भारत का प्रभाव :-

(i) लम्बी तट रेखा के कारण व्यापार करने में सुगमता। ताम्रलिप्ति, अरिकामेडु

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

बंदरगाह व्यापारिक श्रेष्ठता के उदाहरण है।

(ii) विंध्य की पहाड़ियों और घने जंगलों ने दक्षिणी क्षेत्र को विदेशी आक्रमण से सुरक्षा प्रदान की।

(iii) प्रायद्वीपीय क्षेत्र में खनिज प्रचुरता वहाँ के समृद्धशाली इतिहास में महत्वपूर्ण योगदान रखती है।

मानव के सांस्कृतिक विकास आदि मानव से आरंभ होकर वर्तमान के सभ्य मानव तक यह विभिन्न चरणों से गुजरा है।

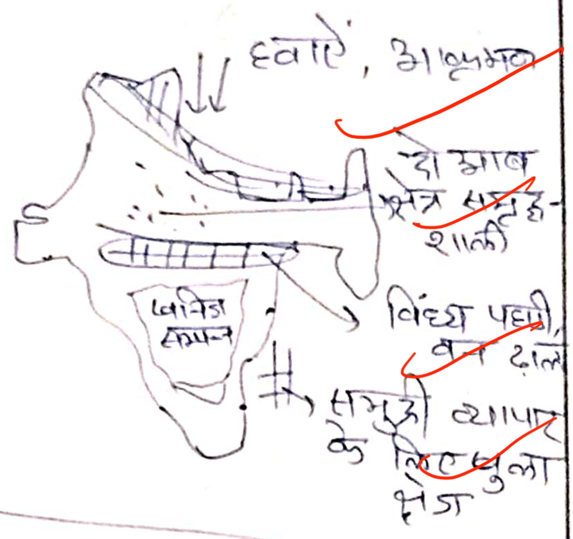

Good

खाद्य संग्राहक (घुमंतू) → आग का आविष्कार, पहिया, पशुपालक → स्थायी निवास (परिवार) → कृषि आरंभ → समूह में निवास आदि विभिन्न चरणों के पश्चात वर्तमान के मानव का आविर्भाव हुआ।

3.5

संक्षिप्त निष्कर्ष अवश्य लिखें।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

MAKE IAS
Make Advanced Knowledge Easy

Q3. हड़प्पाकालीन धार्मिक विश्वास एवं रीतियों की प्रमुख विशिष्टताओं को स्पष्ट कीजिए। (125 शब्द)
Explain the main features of Harappan religious beliefs and customs. (125 words)

हड़प्पा सभ्यता की खोज 1921 में दयाराम साहनी ने की। इसके पश्चात अन्य स्थानों से भी एक विकसित सभ्यता के साक्ष्य मिले। जिससे धार्मिक विश्वास एवं रीतियों को निम्न प्रकार से देखा जा सकता है:-

भूमिका ठीक है

1. मातृदेवी की पूजा होती थी। (मोहनजोदड़ो से प्राप्त मूर्ति)
2. प्रकृति पूजक थे। उर्वरकता की देवी (नाभि से पौधे का उपजने वाली मूर्ति)

उर्वरता

3. योनि एवं लिंग की पूजा होती थी।
4. एकश्रृंगी पशु, बैल आदि की पूजा होती थी। हालांकि मंदिरों के साक्ष्य नहीं मिले हैं
5. पुजारी की मूर्ति (शॉल ओढे हुए व्यक्ति की मूर्ति मोहनजोदड़ो से प्राप्त)
6. कालीबंगन एवं लोथल से हवन (कुण्ड में राख) के साक्ष्य मिले हैं।
7. विशाल ~~स्नानागार~~ स्नानागार से पारंपरिक

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

स्नान के पश्चात् पूजा करने के प्रमाण मिले हैं।

8. सात्विक की आकृति के साक्ष्य मिले हैं।

9. युगल शवाधान एवं उनके साथ धन व आभूषण की प्राप्ति से पुनर्जन्म में विश्वास होने का प्रमाण है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त मातृपूजा, पशुपूजा एवं हवन, यज्ञ एवं ताबीज जैसी धार्मिक मान्यताऐं एवं रीतियाँ हड़प्पा-कालीन समाज में उपलब्ध थीं।

3

Q4. "मौर्यकालीन स्थापत्यकला एवं मूर्तिकला पर बौद्ध धर्म का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है।" आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए। (200 शब्द)

"The influence of Buddhism on Mauryan architecture and sculpture is visible." Critically explain. (200 words)

मौर्यकालीन महात्मा बुद्ध के महापरिनिर्वाण (483 BC) के तुरंत पश्चात् मौर्य राजवंश की स्थापना हुई। इसलिए तत्कालीन कलाओं पर बौद्ध धर्म का प्रभाव होना स्वाभाविक है। परंतु मौर्यकालीन स्थापत्य एवं मूर्तिकला मे ऐसे तत्व मौजूद हैं जो धर्मनिरपेक्ष हैं या किसी अन्य धर्म का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है। जैसे-

(i) स्तूपों के चार प्रवेश द्वार चार दिशाओं (सोम, इन्द्र, यम, वरुण) को इंगित करते हैं। जो वेदों से वैदिक देवताओं से प्रभावित है।

(ii) स्तूपों के तोरणद्वारों पर बेल, फूल-पत्तियाँ आदि उत्कीर्ण किये जाते हैं। जो प्रकृति प्रेरित हैं। जैसे - सांची, भरहुत के स्तूप पर

(iii) ऐतिहासिक घटनाओं, राजाओं, राजकुमारियों एवं आम स्त्री-पुरुष भी उत्कीर्ण किये गये। जैसे - अमरावती के स्तूप पर।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

(v) मौर्य शासक दशरथ ने आजीवक संप्रदाय के लिए बराबर की पहाड़ियों में चैत्यों का निर्माण करवाया।

इसके साथ ही मूर्तिकला कर में गांधार एवं मथुरा शैली का विकास हुआ। जिसमें हिन्दू धर्म का प्रभाव द्रष्टव्य है। जैसे —

1. मौर्य स्तंभों पर बैल, हाथी, शेर, घोड़ा हड़प्पा काल से पशुपूजक समाज को इंगित करते हैं।

2. स्थानीय गांधार कला शैली में स्थानीय देवी-देवताओं को स्थान। जैसे – यक्ष-यक्षिणी (उर्वरता की प्रतीक), कुबेर (समृद्धि के देवता), नुवावती (स्वर्ग की देवी) इत्यादि।

3. बुद्ध का आभामंडल के हिन्दू देवी-देवताओं से प्रभावित है।

4. गांधार शैली में गैर धार्मिक मूर्तियों का भी विकास हुआ। जैसे – दैनिक क्रिया-कलाप की मूर्ति, मदिरापान करती हुई मूर्ति आदि।

अनावश्यक विस्तार से बचें

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि मौर्यकालीन स्थापत्य एवं मूर्तिकला पर स्तूपों (अशोक द्वारा 84000), चैत्यों (जुन्नार, कार्ले, कोण्डाना) एवं शिलालेख, स्तंभलेख के माध्यम से बौद्ध धर्म का प्रभाव दृष्टव्य है लेकिन प्राचीन परंपराओं एवं प्रकृति का समावेश इसे और अधिक जीवंतता प्रदान करता है।

4.5

Q5. भारतीय दर्शन की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये, साथ ही योग दर्शन पर प्रकाश डालिए। (200 शब्द)
Mention the features of Indian philosophy, as well as throw light on Yoga philosophy. (200 words)

भारतीय दर्शन परंपरा अत्यंत समृद्धशाली रही है जिसमें अनेक एवं प्रतिद्वंद्वी विचारों का विकास हुआ है। जैसे –

सांख्य दर्शन	कपिल मुनि	आस्तिक
योग दर्शन	पतंजलि	
वैशेषिक	कणाद	
न्याय	गौतम	
नास्तिक: बौद्ध दर्शन	बुद्ध	
चार्वाक		

इत्यादि।

भारतीय दर्शन की विशेषताएं :

(i) संसार को दुःखमय माना है। जैसे - बौद्ध, सांख्य

(ii) ज्ञान की महत्ता पर बल दिया है।

(iii) कर्म सिद्धान्त पर बल दिया है। गीता में "कर्मण्येवाधिकारस्ते ——"

(iv) आत्मा की सत्ता में विश्वास करना।

(v) पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं।

इसके अतिरिक्त मोक्ष, अभ्यास,

चार्वाक के अतिरिक्त भारतीय दर्शन भौतिकतावादी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

चिंतन इत्यादि भारतीय दर्शन की विशेषताएं हैं।

भारतीय दर्शन में योग दर्शन एक महत्वपूर्ण दर्शन है।
प्रतिपादन महर्षि पतंजलि ने

पतंजलि ने शरीर, इन्द्रिय तथा मन पर नियंत्रण स्थापित करके पूर्णता प्राप्त करने के लिए किये गए आध्यात्मिक प्रयास को योग बताया है
योग का तात्पर्य आत्मा का परमात्मा के साथ एकत्व से है। इसलिए इसे सांख्य दर्शन का पूरक दर्शन कहा जाता है।

योग दर्शन का मूल ग्रंथ पतंजलि कृत योगसूत्र है। इसमें इंद्रियों पर विजय पाने के लिए अष्टांग योग की अवधारणा प्रस्तुत की है।

आस्तिक दर्शनों के अतिरिक्त

बौद्ध व जैन जैसे नास्तिक दर्शन भी आध्यात्मिक साधना के लिए योग का व्यवहार करते हैं। साथ ही सूफी संत भी रहस्यवादी साधना के लिए योग का सहयोग लेते हैं।

वर्तमान में योग का प्रसार वैश्विक हो रहा है। जिसका लक्ष्य ईश्वर प्राप्ति तक सीमित न रहकर मानसिक शांति एवं निरोग शरीर तक विस्तृत हो रहा है इसी कारण 2014 से 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।

संक्षिप्त निष्कर्ष अवश्य लिखें।

S

MAKE IAS
Make Advanced Knowledge Easy

Q6. पुरापाषाणकालीन चित्रकला न केवल तत्कालीन कला के ज्ञान को प्रस्तुत करती है, अपितु सामाजिक जीवन को भी प्रदर्शित करती है स्पष्ट कीजिये। (200 शब्द)

The Paleolithic painting not only presents the knowledge of the art of that time, but also shows the social life. (200 words)

पुरापाषाण युग में मानव ने अपनी भावनाओं, विचारों को व्यक्त करने के लिए चित्रों का सहारा लिया तथा पत्थरों पर चित्र उत्कीर्ण किये।

चित्रों को देखकर तत्कालीन मानव के कलाज्ञान को जाना जा सकता है। जैसे—

1. पाषाणकालीन चित्र दीवारों, फर्शों एवं छतों पर नुकीले पत्थरों से खुरदरा करके बनाए गये। → दीर्घजीवी बनाने के उद्देश्य से

2. गेरुआ लाल, पीला, काला, सफेद तथा हरे रंग का प्रयोग। → रंग ज्ञान को प्रदर्शित करता है

3. रंगों का निर्माण प्राकृतिक पदार्थों से जैसे - खनिज, वनस्पति इत्यादि तथा दीर्घजीवी बनाने के लिए पशुओं की

चाती तथा अण्डे की ज़र्दी का प्रयोग किया।

4. चित्रों को बनाने के लिए ज्यामितीय आकृतियों का प्रयोग (जैसे- मनुष्य को त्रिभुज रेखा, कुछ लहरदार चित्र इत्यादि।

पुरापाषाणकालीन चित्रकला

कलाज्ञान के अतिरिक्त सामाजिक जीवन को भी प्रदर्शित करती है। जैसे-

(1) हाथों में हाथ डालकर नृत्य करते हुए लोगों के चित्र। (लखुडियार उत्तराखण्ड)

(2) अधिकांश चित्र शिकार के एवं शिकार के लिए समूह में जाने के हैं।

(3) दैनिक जीवन से संबंधित चित्र भी देखने को मिलते हैं। जैसे- माताओं को दूध पिलाते हुए, मदिरा पान करते हुए।

(4) इन सबके अतिरिक्त पशुओं (साँड,

हाथी, सुअर, तथा ज्यामितीय आकृतियों के भी चित्र मिलते हैं।

(5) शहद इकट्ठा करते हुए, संगीत, शरीर-सज्जा जैसे चित्र भी देखने को मिलते हैं। (भीमबेटका की गुफा में)

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि पुरापाषाणकालीन लोगों ने अपनी दिनचर्या, आस-पास के वातावरण को चित्रित किया जिसमें उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों (नुकीले पत्थर, प्राकृतिक रंग) का प्रयोग किया जिससे वे लम्बे समय तक बने रहे।

5.5

Q7. प्रत्येक वर्ष ग्रीष्म ऋतु में ग्रीष्म लहर एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। ग्रीष्म लहर के क्या कारण हैं? मानव जीवन पर इसके प्रभावों का वर्णन करते हुए, समाधान प्रस्तुत कीजिए। (200 शब्द)

Every year in the summer season heat waves become a severe challenge. What are the causes of heat waves? Present the solution describing its effects on human life. (200 words)

'लैंसेट' की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1990 से 2019 तक अत्यधिक गर्मी के प्रति भारत की भेद्यता में 15% की वृद्धि हुई है।

हीट वेव (ग्रीष्म लहर) से तात्पर्य असामान्य रूप से उच्च तापमान की अवधि से है।

मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान 40°C से अधिक या (5-6°C की बढ़ोत्तरी होती है तो ग्रीष्म लहर की संज्ञा दी जाती है।

ग्रीष्म लहर के कारण :-

(i) ग्लोबल वार्मिंग का बढ़ना। → नील हरित अवसंरचना

(ii) वनो-मूलन → अपशिष्ट प्रबंधन

(iii) वायु प्रदुषण में बढ़ोतरी - वाहन प्रदुषण, → कृषि अनुकूलन → हरित परिवहन

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

MAKE IAS

विद्युत उत्पादन इत्यादि।

(iv) शहरीकरण – 'नगरीय ऊष्मा द्वीप प्रभाव'

(v) औद्योगिक गतिविधियाँ।

→ ग्रीष्म लहर के प्रभाव :-

(i) स्वास्थ्य पर प्रभाव :- डायरिया, हाइपर-थर्मिया जैसे रोग।

(ii) जल संसाधनों की कमी। → जल की अत्यधिक माँग।

(iii) खाद्य उत्पादन में कमी।

(iv) ऊर्जा की माँग में बढ़ोत्तरी। → पावर कट की समस्या

(v)

6

समाधान :-

(i) शहरी वनीकरण को बढ़ावा देना। मियावाँकी पद्धति को अपनाकर।

(ii) ऊर्जा को नवीकरणीय संसाधनों से प्राप्त करना। 2030 तक 500GW का लक्ष्य।

(iii) जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करना। SDG-13

(iv) ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को कम करने का प्रयास करना।

(v) भवन निर्माण में बायो-कंक्रीट एवं बायो सीमेन्ट का प्रयोग करना।

सरकार के प्रयास :-

(i) जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना 2008 के अंतर्गत 8 योजनाओं मिशन को लागू करना।

(ii) ऊर्जा उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा व नाभिकीय ऊर्जा को बढ़ावा देना।

(iii) कुसुम योजना, उज्ज्वला योजना के माध्यम से प्रयास।

(iv) नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन (2070) तक प्राप्त करने का लक्ष्य।

(v) उपर्युक्त प्रयासों के माध्यम से सरकार ग्रीष्म लहर जैसी आपदा से के प्रभाव को कम करने के लिए प्रयासरत है।

 ©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow